

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र सं० 570 20 18 आवेदन सं० 6341/1115/20 18

चूंकि श्री 222000 सिंह व राम कुमार सिंह

ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाय।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध कार्यालयों के अनुक्रमणियों में ता० 01/01/1988 से ता० 10/5/2018 तक

तलासी की गयी है और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला है:-

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तिथि	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्रति निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	मौजा पकडी थाना नं० 236 खेसरा नं० 787 788 789 790 राजा 38 1/2 910							

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।
 2. बंधक-पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। वशत कि इनके बारे में उल्लेख हो।
 3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।
- में यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवमारों को छोड़कर उक्त सम्पत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवमार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर) :- *Chambey*

(पदनाम) :- लिपिक

तलासी का सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर) :- *Chambey*

(पदनाम) :- अभिलेखपाल

कार्यालय : जिला निबंधन कार्यालय, आरा।

तारीख :- 17/5/08



मुहर निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

17/5/08

* टिप्पणी :- इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवमार दिखाये गये हैं। वे आवेदक द्वारा प्रस्तुति संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं। यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं-किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो, तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्राजेन्वशन्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

*2 :- निबंधन अधिनियम की धारा-57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों, अथवा जो सनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवमारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायेगी।

✓ (क) :- किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिए कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

* (ख) :- और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदन ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके द्वारा दूढ़े गये संव्यवहारों और अवमारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा दूढ़े गये ऐसे संव्यवहारों और अवमारों की छूट के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला अवर निबंधक आरा, भोजपुर

ज्ञाप संख्या.....

दिनांक.....

17/5/08

आवेदक श्री *शशांक सिंह वी राम कुमार सिंह*

का ऋणभार प्रमाण-पत्र द्वारा *बैंक ऑफ इंडिया : के.जी. रोड, आरा*

का उनके पत्र संख्या.....

दिनांक 11-5-2018

के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी